तापमान
अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि
बेमेतरा भूमि
रायपुर, शुक्रवार 17 जुलाई 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

12 भगवान जगन्नाथ की निकली भव्य रथयात्रा ...

11 25 जुलाई को हर ग्राम पंचायत में चलेगा ...

हरिभूमि की खबर पर प्रशासन का संज्ञान, मरका स्कूल भवन की गुणवत्ता जांच के आदेश

कलेक्टर ने चार सदस्यीय संयुक्त जांच दल गठित किया, सात दिनों में मांगी विस्तृत रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

हरिभूमि में प्रकाशित हैंडओवर से पहले ही नए स्कूल भवन में दरारें, 24 लाख के निर्माण पर उठे सवाल शीर्षक से प्रमुखता से प्रकाशित खबर का असर सामने आया है। खबर को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई ने मुख्यमंत्री जतन योजना के अंतर्गत विकासखंड बेमेतरा के ग्राम मरका स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्ष एवं हॉल के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए चार सदस्यीय संयुक्त तकनीकी जांच दल का गठन किया गया है, जिसे सात दिनों के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्माण सामग्री से लेकर गुणवत्ता तक होगा परीक्षण

जांच दल भवन निर्माण में उपयोग की गई सामग्री, तकनीकी मानकों के पालन, निर्माण प्रक्रिया, कार्य की गुणवत्ता तथा निर्माण की वर्तमान स्थिति का विस्तृत परीक्षण करेगा। यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी अनियमितता, गुणवत्ता में कमी या निर्माण संबंधी लापरवाही सामने आती है, तो उसकी स्पष्ट रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, एजेंसी अथवा संबंधित पक्षों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चार विभागों के तकनीकी विशेषज्ञ करेंगे जांच

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार गठित संयुक्त जांच दल में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता डी.के. चंदेल, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अनुविभागीय अधिकारी अमर सिंह पेकरा, सीजीएमएससी के उप अभियंता कमल सिन्हा तथा मंडी बोर्ड के उप अभियंता परवेज बेग को सदस्य बनाया गया है। यह दल निर्माण कार्य के प्रत्येक तकनीकी पहलू की विशेषज्ञ स्तर पर जांच करेगा।

सात दिन में रिपोर्ट, गुणवत्ता से समझौता नहीं

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई ने जांच दल को निर्देश दिए हैं कि वे स्थल निरीक्षण कर सात दिवस के भीतर निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन की योजनाओं के तहत निर्मित होने वाले सभी सार्वजनिक निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दरअसल, हरिभूमि ने अपने 9 जुलाई के अंक में मरका प्राथमिक शाला के लगभग 24 लाख रुपये की लागत से निर्मित नए भवन में हैंडओवर से पहले ही दीवारों में दरारें आने का मामला प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, विभागीय निगरानी और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे। खबर प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए।

हरिभूमि ने उठाया था बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा: हरिभूमि ने अपनी खबर में यह सवाल उठाया था कि जिस भवन में भविष्य में मासूम बच्चों को शिक्षा ग्रहण करनी है, उसमें हैंडओवर से पहले ही दरारें दिखाई देना गंभीर ▶▶| शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

एसपी त्रिलोक बंसल से पूर्व गौसेवक आयोग अध्यक्ष सिंघानिया की सौजन्य भेंट

बेमेतरा। जिले के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (आईपीएस) से पूर्व गौ सेवा आयोग अध्यक्ष प्रेम सिंघानिया ने सौजन्य मुलाकात कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, सामाजिक समरसता एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रेम सिंघानिया ने विश्वास जताया कि एसपी बंसल के नेतृत्व में जिले की पुलिस व्यवस्था और मजबूत होगी। वहीं एसपी बंसल ने जनसेवा, संवेदनशील पुलिसिंग तथा आमजन के साथ विश्वास और संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला बेमेतरा की ओर से भी उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

बेमेतरा सिंचाई विभाग में फेरबदल, ईई एस.के. शिवहरे बने दुर्ग मंडल के एसई

बेमेतरा। जल संसाधन विभाग में प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण फेरबदल किया गया है। जल संसाधन संभाग बेमेतरा के कार्यपालन अभियंता (ईई) एस.के. शिवहरे को पदोन्नति देते हुए शिवनाथ मंडल दुर्ग का अधीक्षण अभियंता (एसई) नियुक्त किया गया है। उन्होंने दुर्ग में अपने नए पद का कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है। एस.के. शिवहरे के पदोन्नत होने के बाद जल संसाधन संभाग बेमेतरा के प्रभारी कार्यपालन अभियंता का दायित्व साजा सब-डिवीजन के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) उमाकांत सुखदेव को सौंपा गया है। वे अब प्रभारी ईई के रूप में बेमेतरा संभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस प्रशासनिक बदलाव से विभागीय कार्यों की निरंतरता बनाए रखते हुए विकास एवं सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का प्रयास किया जाएगा। सुखदेव के समक्ष जिले में चल रही सिंचाई योजनाओं, निर्माण कार्यों और जल संसाधन से जुड़े विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। जल संसाधन विभाग में हुए इस बदलाव को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एस.के. शिवहरे को पदोन्नति पर शुभकामनाएं देते हुए उनके नए दायित्व के सफल निर्वहन की कामना की है, वहीं उमाकांत सुखदेव के प्रभारी ईई बनने पर भी उन्हें बधाई दी गई है।

पर्व : हजारों श्रद्धालुओं में रस्सी खींचने में लगी रही होड़, मांगी मनोकामना

फूलों से सजे रथ में धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जय जगन्नाथ महोत्सव समिति के तत्वाधान में लगातार 12वे वर्ष गुरुवार को शहर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। फूलों से सजे रथ में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को विधि- विधान से पूजा-अर्चना के बाद विराजमान किया गया।

दोपहर 1 बजे नवीन बाजार से शुरू हुई यह भव्य यात्रा नयापारा, गस्ती चौक, सिग्नल चौक, परशुराम चौक, जय स्तंभ चौक, पियर्स चौक, गायत्री मंदिर पिकरी और प्रताप चौक से होते हुए राम मंदिर में संपन्न हुई। इस दौरान पूरा शहर जगन्नाथ जी के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य गड़वा बाजा, रामधुनी, राउत नाच के कलाकार आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर रहे थे। जगन्नाथ महाप्रभु की इस पावन और भव्य रथयात्रा में शहर के कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ,पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा सहित समिति से बाबा तंबोली, अरुण नंदवाना, गुड्डा गुप्ता, अमरिका निर्मलकर, दिनेश सिन्हा, लक्की साहू, योगेश वर्मा आदि शामिल थे।

आयोजन की सफलता पर नगर पालिका अध्यक्ष ने दी बधाई

आयोजन की सफलता की सराहना करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा हर वर्ष रथ यात्रा का यह सफल आयोजन बेहद सराहनीय है। आज की युवा पीढ़ी जिस तरह पाश्चात्य संस्कृति की ओर आकर्षित हो रही है, उसे देखते हुए हमारी सनातन संस्कृति को बचाए रखने के लिए ऐसे आयोजन बेहद जरूरी हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से इस यात्रा में शामिल होता है, उसे मोक्ष मिलता है।

भक्तों का उमड़ा सैलाब प्रसाद का हुआ वितरण

रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सड़कों पर भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। हर कोई भगवान की एक झलक पाने को बेताब दिखा। महाप्रभु का रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं के बीच होड़ मची रही, क्योंकि माना जाता है कि रथ खींचने से पुण्य मिलता है। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं को चना और मूंग का विशेष प्रसाद वितरित किया गया। माहौल पूरी तरह से भक्तिमय और उत्साह से सराबोर नजर आया।

यात्रा का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत: रथयात्रा के मार्ग में आने वाले प्रमुख मार्ग नयापारा, महेश चौक, सिग्नल चौक, परशुराम चौक, भारतमाता चौक समेत शहर के अन्य स्थानों पर सर्व समाज के लोगो ने भगवान जगन्नाथ की अगवानी कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने रथ पर पुष्पवर्षा कर आरती उतारी। इसके साथ ही, कई स्थानों पर रथयात्रा में शामिल भक्तों की सेवा के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए, यहां महाप्रसादी के साथ श्रद्धालुओं को पूड़ी, सब्जी, शरबत, फल आदि का वितरण कर पुण्य लाभ कमाया गया।

कलेक्टर उतरीं गांवों की चौखट पर योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- नवागढ़ विकासखंड के चार गांवों का व्यापक निरीक्षण, स्कूल में बच्चों को खुद पढ़ाया

जिले में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानने और विकास कार्यों की गुणवत्ता परखने के लिए कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई गुरुवार को स्वयं गांवों की चौखट पर पहुंचीं। उन्होंने नवागढ़ विकासखंड के नांदल, खैरी, नवागढ़ और मुरता का व्यापक मैदानी दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, प्रधानमंत्री आवास, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, जल संरक्षण और राजस्व विभाग के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुबह से शुरू हुए निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सबसे पहले ग्राम नांदल पहुंचीं, जहां उन्होंने शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर पीडीएस के तहत वितरित किए जा रहे चावल, शक्कर और नमक की गुणवत्ता, स्टॉक पंजी और वितरण व्यवस्था की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी रखी जाए। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण कर निर्माण गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने कहा कि बच्चों और महिलाओं से जुड़े भवनों के निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर दवाइयों की उपलब्धता, टीकाकरण व्यवस्था और कोल्ड चेन की समीक्षा की तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घर पहुंचकर निर्माण कार्यों की ▶▶| शेष पेज 10 पर

अमोरा घाट में आज होगी आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- बाढ़, आकाशीय बिजली व वज्रपात जैसी आपदाओं से निपटने का होगा अभ्यास, प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील

जिले में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों को परखने और राहत-बचाव तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन शुक्रवार 17 जुलाई को शिवनाथ नदी स्थित अमोरा घाट में व्यापक मॉक एक्सरसाइज एवं मॉक ड्रिल आयोजित करेगा।

सुबह 8 बजे शुरू होने वाले इस अभ्यास में बाढ़, आकाशीय बिजली और वज्रपात जैसी आपदाओं की काल्पनिक परिस्थितियां तैयार कर विभिन्न विभागों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण किया जाएगा। कलेक्टर के निर्देश पर आयोजित इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में प्रशासनिक समन्वय, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का आकलन तथा इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को और अधिक मजबूत बनाना है। अभ्यास के दौरान पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, नगर सेना, होमगार्ड, एसडीआरएफ, राजस्व विभाग, जनपद पंचायत और स्थानीय प्रशासन सहित विभिन्न विभागों की टीमें संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान का प्रदर्शन करेंगी। मॉक ड्रिल में नदी में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने, घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने, आपातकालीन संचार व्यवस्था, राहत सामग्री के समन्वित उपयोग तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल का व्यावहारिक अभ्यास किया जाएगा। इसके माध्यम से यह भी परखा जाएगा कि वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रशासन कितनी तेजी और प्रभावशीलता से कार्रवाई कर सकता है।

जिला प्रशासन का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य केवल विभागीय तैयारियों का परीक्षण ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना है। इससे भविष्य में किसी भी आपदा की स्थिति में जन-धन की हानि को कम करने में मदद मिलेगी। शासन के ▶▶| शेष पेज 10 पर

शिवनाथ का बढ़ता कटाव बना तुमा गांव के लिए खतरे की घंटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- हाई स्कूल, मुख्य सड़क और आबादी पर मंडराया संकट

शिवनाथ नदी के किनारे बसे तुमा गांव में एनीकट के समीप लगातार बढ़ रहा नदी का कटाव अब ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय नहीं, बल्कि भय का कारण बनता जा रहा है। हर बारिश के साथ नदी किनारे की जमीन तेजी से धंस रही है और कटाव का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह है कि कटाव अब गांव की महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्तियों और आबादी की ओर बढ़ने लगा है। यदि समय रहते ठोस और स्थायी सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में हाई स्कूल, मुख्य सड़क और रिहायशी बस्ती गंभीर खतरे की चपेट में आ सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, एनीकट के आसपास नदी का ▶▶| शेष पेज 10 पर

बारिश बढ़ी तो और बिगड़ सकते हैं हालात

ग्रामीणों का कहना है कि अभी मानसून का प्रमुख दौर बाकी है। यदि आगामी दिनों में तेज बारिश हुई और नदी का जलस्तर बढ़ा तो कटाव की रफ्तार कई गुना बढ़ सकती है। ऐसे में अस्थायी उपाय पूरी तरह विफल हो जाएंगे और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल कटाव बढ़ता है, लेकिन अब तक स्थायी सुरक्षा कार्य नहीं होने से खतरा लगातार बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों से सर्वे और स्थायी सुरक्षा कार्य की मांग

गांव के लोगों ने जिला प्रशासन, जल संसाधन विभाग और संबंधित एजेंसियों से तत्काल मौके का निरीक्षण कर विशेषज्ञों की टीम भेजने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि केवल रेत की बोरियां लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। कटाव रोकने के लिए नदी किनारे पिचिंग, रिटेनिंग वॉल, बोल्डर पैकिंग और अन्य वैज्ञानिक उपाय तत्काल किए जाने चाहिए, ताकि स्कूल, सड़क और बस्ती को सुरक्षित रखा जा सके।

सलधा-संडी नाला पुल की गुणवत्ता पर उठे सवाल

ब्रिज में दरारें, धंसी सड़क से बढ़ा हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बेरला

लोक निर्माण विभाग (सेतु संभाग, दुर्ग) के अंतर्गत बेरला विकासखंड के सलधा और संडी गांव के बीच नाला पर निर्मित पुल की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पुल के ऊपर और एप्रोच सड़क पर जगह-जगह दरारें पड़ने तथा सड़क धंसने से दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में लापरवाही और गुणवत्ता से समझौता किए जाने का आरोप लगाते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये की लागत से बने इस पुल की स्थिति समय के साथ लगातार खराब होती जा रही है। पुल की सतह पर लंबी-लंबी

दरारें दिखाई दे रही हैं, वहीं एप्रोच सड़क भी कई स्थानों पर धंस गई है। इससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ-साथ पैदल राहगीरों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि पुल की नियमित निगरानी और रखरखाव नहीं होने से स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति का आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल की मरम्मत के नाम पर केवल गिट्टी और मुरुम डालकर औपचारिकता निभाई गई है। जहां सड़क धंस गई है, वहां स्थायी मरम्मत के बजाय मुरुम डालकर छोड़ दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की मरम्मत से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि बारिश के दौरान स्थिति और खराब हो सकती है। **ग्रामीणों ने जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की:** स्थानीय नागरिकों ने पुल निर्माण की तकनीकी और वित्तीय जांच कराने की मांग करते हुए कहा है कि यदि निर्माण कार्य में अनियमितता या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में इस तरह की लापरवाही रोकने के लिए जवाबदेही तय करने की भी मांग की गई है।

निरीक्षण नहीं होने पर भी उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि पुल की हालत लगातार बिगड़ने के बावजूद लोक निर्माण सेतु विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके का निरीक्षण करने तक नहीं पहुंचे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत कराई जाती तो पुल की यह स्थिति नहीं होती। स्थानीय जनसेवक रविन्द्र भास्कर चौबे ने कहा कि पुल के निर्माण के समय से ही इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद विभाग ने गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि यदि निर्माण कार्य स्वीकृत तकनीकी मानकों के अनुरूप हुआ है, तो फिर पुल में दरारें और सड़क धंसने जैसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त करने की मांग की।

अग्रसेन
प्रा. आई.टी. आई
BHILAI | DHANORA
ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
FITTER 2 Year (10th Pass)
छत्तीसगढ़ राज्य की बालिकाओं एवं महिलाओं को COPA ट्रेड में निशुल्क प्रशिक्षण
Affiliated By: N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत / भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्रा - छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25% की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड़ कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

रथयात्रा: विभिन्न मंदिरों से सजे-धजे रथों में विराजे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा

श्रद्धा, भक्ति व उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

रथ द्वितीया के पावन अवसर पर गुरुवार को कवर्धा नगर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के रंग में सराबोर हो गया। नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथों में विराजमान कर भव्य एवं मनमोहक रथयात्रा निकाली गई।

गाजे-बाजे, अखाड़ों के प्रदर्शन, बाजीगरों के करतब और भजन-कीर्तन के बीच निकली इस रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान जगन्नाथ के जयघोष से पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। दोपहर में स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर से रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। नगर के प्रमुख मंदिरों से निकले रथ करपात्री चौक में एकत्रित हुए, जहां से अखाड़ों, बाजीगरों, ढोल-नगाड़ों एवं भजन मंडलियों की अगुवाई में कतारबद्ध होकर नगर भ्रमण के लिए रवाना हुए।

रथयात्रा शीतला मंदिर चौक, ऋषभदेव चौक, महावीर स्वामी चौक, नगरपालिका चौक, जय स्तंभ चौक एवं राजमहल चौक होते हुए मोती महल पहुंची। मोती महल में राज परिवार द्वारा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन एवं पूजा के लिए उमड़ी रही। नगर के राधाकृष्ण बड़े मंदिर, मेकरी मंदिर, राम मंदिर, मठ मंदिर सहित अनेक मंदिरों से भगवान की प्रतिमाओं को सुसज्जित रथों में विराजमान कर शोभायात्रा निकाली गई। लगभग आधा दर्जन से अधिक रथों के पीछे सैकड़ों श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए चल रहे थे। पूरी यात्रा के दौरान वातावरण जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजता रहा। रथयात्रा की विशेष आकर्षण बाजीगरों की टोली रही, जिसने हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं अखाड़ों के प्रदर्शन ने भी श्रद्धालुओं का भरपूर मनोरंजन किया। नगर के विभिन्न चौक-चौराहों पर भक्तों ने भगवान की आरती उतारी तथा पुष्पवर्षा कर रथों का स्वागत किया।

यात्रा मार्ग में मंदिर समितियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए मिश्री, मूंगदाल एवं तुलसीदल से तैयार पारंपरिक गजामूंग महाप्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने इसे भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद मानकर श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। कवर्धा के साथ-साथ अंचल के पिपरिया, बोड़ला, पाण्डातराई, सहसपुर लोहारा एवं पंडरिया नगरों में भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ निकाली गई।

रथयात्रा के सफल आयोजन में समिति के सक्रिय सदस्य सुधीर केशरवानी, कैलाश शर्मा, जीतेन्द्र वैष्णव, नीरज श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, जीतेन्द्र नामदेव, आशीष दुबे, राजेश गुप्ता, आकाश यदु, सौरभ सिंह, अविनाश गुप्ता, अतुल पाण्डेय, विकास केसरी सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा।

नगर के प्रमुख मार्गो से निकली रथयात्रा

रथयात्रा का शुभारंभ स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर से हुआ। इसके बाद सभी रथ करपात्री चौक में एकत्रित हुए और शीतला मंदिर चौक, ऋषभदेव चौक, महावीर स्वामी चौक, नगरपालिका चौक, जय स्तंभ चौक तथा राजमहल चौक होते हुए मोती महल पहुंचे। मार्गभर श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ की आरती कर पुष्पवर्षा से रथों का स्वागत किया।

गजामूंग महाप्रसाद का विशेष महत्व

रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मिश्री, मूंगदाल एवं तुलसीदल से तैयार पारंपरिक गजामूंग महाप्रसाद वितरित किया गया। धार्मिक मान्यता है कि यह प्रसाद भगवान जगन्नाथ के महाप्रसाद के समान पुण्यदायी होता है। सामाजिक परंपरा के अनुसार लोग एक-दूसरे को गजामूंग खिलाकर प्रेम, सौहार्द और मैत्री संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाते हैं।

पंडरिया कारखाना में गन्ने की एफआरपी का भुगतान

- पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा हमारी नीति स्पष्ट, हमारी नीयत साफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के हजारों गन्ना उत्पादक किसानों के लिए बड़ी राहत और खुशी की खबर है। क्षेत्रीय विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों और किसानों के हितों के प्रति उनकी संवेदनशील प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया द्वारा आज 18.97 करोड़ रुपए की शेष एफआरपी राशि का भुगतान जारी कर दिया गया।

इसके साथ ही पेराई सत्र 2025-26 में किसानों से खरीदे गए गन्ने की एफआरपी राशि का शत-प्रतिशत भुगतान पूर्ण हो गया है। राज्य सरकार की स्पष्ट निति और विधायक भावना बोहरा के प्रयासों तथा किसानों से किये अपने वादे को पूरा करते हुए रिकॉर्ड समय में पंडरिया शक्कर कारखाना के किसानों को उनके खातों में एफआरपी के पूर्ण भुगतान की राशि हस्तांतरित होने से पंडरिया विधानसभा के गन्ना विक्रेता किसानों में उत्साह और हर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया और उन्होंने इस सौगात के लिए विधायक भावना बोहरा एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कारखाना के प्रबंध संचालक यूके कौशिक ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित 329.05 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदी की गई थी, जिसके एवज में किसानों को कुल 40.05 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना था।

इसमें से 21.07 करोड़ रुपये का भुगतान पूर्व में किया जा चुका था, जबकि शेष 18.97 करोड़ रुपये का भुगतान आज 4,961 गन्ना विक्रेता किसानों के खातों में जारी कर दिया गया। यह भुगतान 21 दिसंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को जारी किया गया है। कारखाना प्रबंधन ने यह भी जानकारी दी कि सत्र की शेष रिकवरी राशि का भुगतान भी शीघ्र किया जाएगा।

पिछले 5 वर्षों में सबसे तेज भुगतान

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया में इस वर्ष किसानों को एफआरपी राशि का पूर्ण भुगतान 15 जुलाई तक कर दिया गया, जो पिछले 5 वर्षों में सबसे तेज भुगतान है। इससे पहले सत्र 2021-22 में 12 सितंबर 2022, सत्र 2022-23 में 14 अगस्त 2023, सत्र 2023-24 में 19 सितंबर 2024, सत्र 2024-25 में 18 अक्टूबर 2025 को किया गया था और पांचवें वर्ष में सत्र 2025-26 में 15 जुलाई 2026 को किसानों को रिकॉर्ड समय में पूर्ण भुगतान किया गया।

खबर संक्षेप

दिव्यांगों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना

कवर्धा। समाज कल्याण विभाग द्वारा क्षितिज अपार संभावनाएं योजना के अंतर्गत दिव्यांग अभ्यर्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) एवं छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। योजना का उद्देश्य दिव्यांग युवाओं को सिविल सेवा जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना तथा अन्य दिव्यांग अभ्यर्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित करना है। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्रीमती अभिलाषा पंडा ने बताया कि योजना का लाभ 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले छत्तीसगढ़ के मूल निवासी ऐसे अभ्यर्थियों को मिलेगा, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग अथवा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की हो। योजना के अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 20 हजार रुपए, प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा दोनों उत्तीर्ण करने पर 30 हजार रुपए तथा अंतिम चयन होने पर 50 हजार रुपए की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कवर्धा में रोजगार मेला का आयोजन 22 को

कवर्धा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा जिले के शिक्षित एवं तकनीकी योग्य बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने 22 जुलाई 2026 बुधवार को प्रातः 10.30 बजे से शाम 04 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए जिले में जागरूकता अभियान

आयोजित किए जा रहे हैं विविध कार्यक्रम

- बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिलेभर में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान, कैरियर काउंसलिंग, आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं निःशुल्क कौशल विकास कार्यक्रमों की व्यापक श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

योजना के अंतर्गत विभिन्न विकासखंडों में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं एवं आमजन को जनसंख्या स्थिरीकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, बालिकाओं के अधिकार, लैंगिक समानता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में 2 जुलाई को ग्राम कान्हाभैरा, 3 जुलाई को ग्राम तेलीटोला एवं मिनमिनिया जंगल तथा 7 जुलाई को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, बोड़ला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वहीं विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 10 जुलाई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर, 15 जुलाई को हायर सेकेंडरी स्कूल राजनावागांव में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। कैरियर काउंसलिंग की आगामी कड़ियों में 22 जुलाई को हायर सेकेंडरी स्कूल कापादाह तथा 30 जुलाई को हायर सेकेंडरी स्कूल रेंगाखार (बोड़ला) में मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे।

छात्राओं को दी जा रही है कई विषयों की जानकारी

बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य और कैरियर निर्माण को ध्यान में रखते हुए योजना के तहत कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत 9 जुलाई को सिंघनगढ़ हायर सेकेंडरी स्कूल से हुई, जहां विशेषज्ञों ने छात्राओं को कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद उपलब्ध शैक्षणिक एवं रोजगारोन्मुखी अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, नर्सिंग, शिक्षा, प्रशासनिक सेवाएं, बैंकिंग, रक्षा सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास एवं उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर की संभावनाओं पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कैरियर चुनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया तथा छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अंचल के स्कूलों में आगामी कार्यक्रम तय

बालिकाओं में आत्मविश्वास एवं सुरक्षा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत 17 जुलाई तक हायर सेकेंडरी स्कूल महली, 20 से 24 जुलाई तक हायर सेकेंडरी स्कूल सिल्हाटी तथा 27 से 31 जुलाई तक स्वामी आत्मानंद विद्यालय, बोड़ला में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा व्यावहारिक आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा

ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा प्रकरण में फरार आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

कबीरधाम पुलिस द्वारा जिले में अवैध जुआ एवं ऑनलाइन सट्टेबाजी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में थाना कवर्धा पुलिस द्वारा पूर्व में ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा से संबंधित पंजीबद्ध 03 प्रकरणों मे वांछित आरोपी ग्राम छोंटा निवासी रवि चंद्रवंशी को गिरफ्तार किया कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

थाना कोतवाली कवर्धा में ऑनलाइन सट्टा से संबंधित दर्ज अपराध क्रमांक 153/26, 154/26 एवं 160/26 धारा 07 सार्वजनिक जुआ प्रतिषेध अधिनियम के मामलो मे आरोपियों को ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेलने हेतु लिंक एवं यूजर आईडी रवि चन्द्रवंशी द्वारा उपलब्ध कराना पाया गया था। आरोपी रवि चंद्रवंशी लम्बे समय से फरार चल यहा था जिसे पिपरिया क्षेत्र से 15 जुलाई को हिरासत मे लिया गया।

तीनों प्रकरणों में आरोपी रवि चंद्रवंशी की संलिप्तता पाए जाने पर थाना कवर्धा पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार किया गया तथा माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया तथा माननीय न्यायालय के आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया है कबीरधाम पुलिस द्वारा अवैध जुआ एवं ऑनलाइन सट्टेबाजी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

स्कूली बच्चों ने सजाई महाप्रभु की मनोरम झांकी

स.लोहारा। गीता गुरुकुल पब्लिक स्कूल, बांधाटोला स. लोहारा के प्रांगण में गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ भगवान श्री जगन्नाथ प्रभु की भव्य रथयात्रा एवं मनोरम झांकी का आयोजन किया गया। इस धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन और महाआरती के साथ हुआ। इसके बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान के रथ को खींचा गया। पूरा विद्यालय परिसर जय जगन्नाथ और हरे कृष्णा के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई मनोरम झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं संचालक द्वारा इस सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने बच्चों को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ और प्रबुद्ध नागरिकों का सराहनीय योगदान रहा।

हरिभूमि की खबर पर ...

चिंता का विषय है। साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर भी सवाल खड़े किए गए थे। अब प्रशासन द्वारा गठित तकनीकी जांच दल से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होने और वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद बढ़ गई है।

कलेक्टर उतरीं गांवों ....

प्रगति देखी और लाभार्थियों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। **बच्चों के बीच बैठीं, ब्लैकबोर्ड पर पढ़ाया पाठः** निरीक्षण के दौरान कलेक्टर का अलग अंदाज भी देखने को मिला। ग्राम खैरी की प्राथमिक शाला में उन्होंने बच्चों के बीच बैठकर ब्लैकबोर्ड पर स्वयं पढ़ाया। विद्यार्थियों से सवाल-जवाब किए और उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन तथा स्वच्छता का महत्व समझाया। शिक्षकों को निर्देश दिए कि कमजोर विद्यार्थियों की अलग से पहचान कर उनके सीखने के स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। ग्राम नांदल के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में भी उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता परखी। स्कूल में पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा बच्चों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खैरी के आंगनबाड़ी केंद्र में कलेक्टर ने बच्चों को दिए जा रहे पूरक पोषण आहार, वजन मापन और टीकाकरण व्यवस्था की समीक्षा की। नवागढ़ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का निरीक्षण करते हुए उन्होंने छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही भोजन, आवास, पेयजल, सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया।

राजस्व कार्यालय में लंबित प्रकरणों पर जताई सख्ती : कलेक्टर ने नवागढ़ तहसील और एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण कर नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों से जुड़े मामलों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कार्यालयों में पारदर्शी कार्यप्रणाली, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण और नागरिकों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया ओर कहा अधिकारी नियमित मैदानी भ्रमण करें, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखें और आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उनके साथ जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेमलता पद्माकर, एसडीएम सुश्री दिव्या पोटाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पेज 9 के शेष

अमोरा घाट में आज ...

निर्देशानुसार पूरी मॉक एक्सरसाइज की वीडियो ग्राफी और फोटोग्राफी भी कराई जाएगी। तैयार किए जाने वाले दस्तावेजों का उपयोग भविष्य में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, समीक्षा और आवश्यक सुधारों के लिए किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि मॉक ड्रिल के दौरान सहयोग बनाए रखें और इसे वास्तविक आपदा की घटना न समझें। प्रशासन के अनुसार यह अभ्यास पूरी तरह प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यह मॉक एक्सरसाइज जिले में आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक सशक्त, समन्वित और संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे भविष्य में किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्य सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

शिवनाथ का बढ़ता ...

बहाव लगातार किनारे को काट रहा है, जिससे बड़ी मात्रा में उपजाऊ जमीन नदी में समा चुकी है। मौके पर साफ दिखाई दे रहा है कि कई स्थानों पर मिट्टी धंसने से गहरे गड्ढे बन गए हैं और नदी का किनारा कमजोर होता जा रहा है। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर रेत से भरे बैग लगाकर कटाव रोकने का प्रयास किया है, लेकिन तेज बहाव के सामने यह व्यवस्था केवल अस्थायी साबित हो रही है।

स्कूल और सड़क पर बढ़ा खतराः सबसे गंभीर स्थिति यह है कि कटाव स्थल से लगभग 80 मीटर की दूरी पर स्थित हाई स्कूल भी अब खतरे के दायरे में आ गया है। वहीं, करीब 150 मीटर दूर मुख्य मार्ग और घनी आबादी वाली बस्ती मौजूद है। यदि कटाव की रफ्तार इसी तरह बनी रही तो आने वाले समय में स्कूल भवन, सड़क संपर्क और ग्रामीणों के घरों की सुरक्षा पर सीधा संकट खड़ा हो सकता है। इससे न केवल विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी, बल्कि आवागमन और जनजीवन भी बाधित होने की आशंका है।

ग्रामीणों में बढ़ रही चिंताः लगातार बढ़ते कटाव ने तुमा गांव के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई तो भविष्य में बड़ी जनहानि और सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान हो सकता है। लोगों ने चेतावनी दी है कि किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को तत्काल प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि गांव को इस बढ़ते संकट से बचाया जा सके।

मुड़घुसरी जंगल में स्कूल चलो अभियान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

एसबीआई संजीवनी एमएमयू टीम, कबीरधाम द्वारा 16 जुलाई को ग्राम मुड़घुसरी जंगल स्थित शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय माध्यमिक शाला में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 125 बच्चों, शिक्षकों एवं उनके पालकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर एवं ग्राम में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से शिक्षा के महत्व, नियमित विद्यालय उपस्थिति, बाल शिक्षा के अधिकार तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। एसबीआई संजीवनी एमएमयू टीम के सदस्यों ने उपस्थित अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय में प्रवेश एवं उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सके।

खबर संक्षेप

सीएम साय को बोल बम कांवर यात्रा में किया आमंत्रित

सेलूद/पाटन। बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन के संयोजक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर 17 अगस्त को आयोजित होने वाली विशाल बोल बम कांवर यात्रा महोत्सव में आमंत्रण किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री जी को यात्रा की रूपरेखा, तैयारियों एवं आयोजन के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के तीसरे सोमवार को पाटन से टोलाघाट तक हजारों शिवभक्तों की सहभागिता से भव्य कांवर यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गजेंद्र यादव प्रमुख रुप से उपस्थित थे।समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने मुख्यमंत्री को तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए जितेन्द्र वर्मा एवं बोल बम कांवर यात्रा समिति के सदस्यों को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

सुपेला में सड़क पर अवैध अहाता, रोज होता है विवाद

भिलाई। अवैध रूप से चल रहे सुपेला देशी शराब दुकान के पास चल रहा आहता के चलते सड़क से गुजरने वालों के साथ कई बार शराबियों के साथ झड़प होना आम हो गया है। करीब डेढ़ साल से चल रहे इस अवैध आहते पर अंकुश नहीं है, आहते के कारण राह से निकलने वाले महिला युवतियों के साथ भी शराबियों द्वारा छिंटाकसी भी आम हो चुकी है। सुपेला के देशी शराब दुकान के पास चल रहे अवैध आहता के खिलाफ आसपास के लोगों ने भी शिकायत किया है। लेकिन इस अवैध आहते पर अंकुश अब तक नहीं लग पाया है। इसके पूर्व भी अवैध आहते में शराब पीने के बाद शराबी झूमते हुए सड़क पर निकलते हैं। आने जाने वालों के साथ मारपीट की स्थिति निर्मित होती आई है। सड़क पर ही आहता लगने से हमेशा देर शाम होते ही जाम की स्थिति बनी रहती है। इस अवैध आहता के कारण ही कई बार सड़क से गुजने वालों के साथ मारपीट की भी घटना हो चुकी है। इसे लेकर पुलिस में भी स्थानीय लोगों ने शिकायत किया था लेकिन आहता को लेकर लगाम अब तक नहीं लग पाया है। सुपेला स्थित सड़क किनारे में अवैध आहता चलाया जा रहा है। जिसे लेकर सरकार को लाखों रुपए का राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसके अलावा इस अवैध आहतों में चखना के साथ-साथ शराब पीलाने की व्यवस्था होने से नशे में चूर होकर शराबी निकलते है। सड़क पर चलने वाले लोगों के साथ नशे की हालत में कई बार विवाद भी हो चुका है।

सियासत : राम मंदिर चंदा और चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो, जवाबदेही तय करे केंद्र: रविंद्र चौबे

राम के नाम पर सत्ता भी ली, अब चढ़ावे पर मौनः कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- कांग्रेस की प्रेस वार्ता : भाजपा-आरएसएस पर आस्था के नाम पर राजनीति और चढ़ावे में कथित अनियमितता का आरोप

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविंद्र चौबे ने राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे तथा मंदिर में प्राप्त चढ़ावे को लेकर भाजपा, आरएसएस और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं, लेकिन उनके नाम पर जुटाई गई श्रद्धालुओं की पूंजी और विश्वास के साथ कथित रूप से गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने भी संबोधित किए। आगे रविंद्र चौबे ने कहा कि देश के गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और आम श्रद्धालुओं ने अपनी मेहनत की कमाई, गहने और बचत भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के लिए समर्पित की थी। भाजपा और संघ परिवार ने वर्षों तक राम मंदिर आंदोलन चलाकर देशभर से चंदा एकत्र किया और उसी जनभावना के आधार पर राजनीतिक लाभ भी प्राप्त किया। अब मंदिर बनने के बाद करोड़ों रामभक्त यह जानना चाहते हैं कि मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे और मंदिर में मिलने वाले चढ़ावे का पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि रामशिला पूजन अभियान के दौरान 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्रित की गई थी, लेकिन उसका विस्तृत लेखा-जोखा आज तक सार्वजनिक नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले मंदिर निर्माण के चंदे को लेकर सवाल उठे और अब मंदिर के चढ़ावे में भी कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आ रहे हैं। उनके अनुसार यह केवल आर्थिक गड़बड़ी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास से जुड़ा गंभीर विषय है। पूर्व मंत्री ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार की देखरेख में हुआ था। ऐसे में यदि ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लग रहे हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपनी नैतिक जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को अपनी व्यवस्था पर भरोसा है तो उसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस ने केंद्र सरकार के सामने तीन प्रमुख सवाल भी रखे। पहला, यदि ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार की निगरानी में हुआ तो कथित अनियमितताओं की जिम्मेदारी कौन लेगा? दूसरा, यदि सब कुछ पारदर्शी था तो तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे क्यों हुए? तीसरा, यदि कोई गड़बड़ी नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच से आखिर डर किस बात का है?

रविंद्र चौबे ने आरोप लगाया कि ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे पूरे मामले को और गंभीर बनाते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि वित्तीय पारदर्शिता और लेखा-जोखा की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। उन्होंने ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे और शीर्ष पदाधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

बद्रीनाथ मंदिर दान मामले का भी किया उल्लेख

कांग्रेस नेता ने कहा कि केवल राम मंदिर ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड के श्री बद्रीनाथ मंदिर से जुड़े हालिया दान घोटाले ने भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। उनका कहना था कि इतनी कड़ी सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी और बहुस्तरीय व्यवस्था के बावजूद इतने बड़े स्तर पर कथित अनियमितताएं बिना प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के संभव नहीं हो सकतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि टुकड़ों-टुकड़ों में इस्तीफे लेना, छोटे कर्मचारियों की गिरफ्तारी करना और सीमित कार्रवाई करना केवल लीपापोती का प्रयास प्रतीत होता है, ताकि बड़े जिम्मेदार लोगों तक जांच की आंच न पहुंचे।

फर्जी रसीदों, नकद चढ़ावे के लेखा-जोखा में गड़बड़ीः आशीष

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने राम मंदिर से जुड़े बड़े आयोजनों के खर्च पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि 22 जनवरी 2024 को आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और बाद के अन्य आयोजनों में करोड़ों रुपये खर्च होने की जानकारी सामने आई है। साथ ही फर्जी रसीदों, नकद चढ़ावे के लेखा-जोखा में गड़बड़ी तथा कथित वित्तीय अनियमितताओं जैसे आरोप भी सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक कार्रवाई केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित दिखाई दे रही है, जबकि शीर्ष पदाधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं की गई है। प्रेस वार्ता के अंत में कहा कि कांग्रेस श्रद्धालुओं के धन और विश्वास की पारदर्शिता की पक्षधर है। उन्होंने कहा कि देश यह जानना चाहता है कि पूरे मामले पर केंद्र सरकार मौन क्यों है और ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की जवाबदेही कब तय होगी। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कांग्रेस विधायक से माफी की मांग, कहा- नक्सलवाद का महिमामंडन लोकतंत्र और शहीदों का अपमान

हिड़मा को 'रोल मॉडल' बताने का आरोप भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव पर नक्सली सरगना हिड़मा को रोल मॉडल बताए जाने का आरोप लगाते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, जिला उपाध्यक्ष अंजय (अंजू) बघेल और जिला उपाध्यक्ष प्रणीश रजक ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि यदि ऐसा बयान दिया गया है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान, सुरक्षा बलों के शौर्य और नक्सली हिंसा से प्रभावित हजारों परिवारों का घोर अपमान है।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेतृत्व से इस मामले में तत्काल स्पष्टीकरण देने और संबंधित विधायक से सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाने की मांग की है। भाजपा नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सली हिंसा से प्रभावित रहा है। इस दौरान अनेक निर्दोष ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, पुलिसकर्मी और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवान शहीद हुए हैं। नक्सलवाद ने विकास कार्यों को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ऐसे में हिंसा के रास्ते पर चलने वाले व्यक्ति का महिमामंडन किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए उचित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का दायित्व समाज को शांति, लोकतंत्र और राष्ट्रहित की दिशा में प्रेरित करना है, न कि हिंसा के प्रतीकों को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना।

जिला अध्यक्ष अजय साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में कांग्रेस के किसी जनप्रतिनिधि द्वारा कथित रूप से इस तरह का बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण है और कांग्रेस की विचारधारा पर सवाल खड़े करता है।

जिला उपाध्यक्ष अंजय (अंजू) बघेल ने कहा कि नक्सलवाद किसी विचारधारा का नहीं, बल्कि हिंसा, भय और विनाश का प्रतीक है। जिन परिवारों ने नक्सली हिंसा में अपने परिजनों को खोया है, उनके जख्म आज भी हरे हैं। ऐसे में नक्सली सरगना का महिमामंडन करना पीड़ित परिवारों की भावनाओं को आहत करने वाला है। वहीं जिला उपाध्यक्ष प्रणीश रजक ने कहा कि देश की जनता विकास, सुशासन और शांति की राजनीति चाहती है। नक्सलवाद का समर्थन या किसी भी रूप में उसका महिमामंडन लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ऐसे किसी भी बयान का विरोध करती है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राष्ट्रविरोधी तत्वों को वैचारिक समर्थन देने का प्रयास करता हो। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व से मांग की कि वह इस पूरे मामले पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखे। साथ ही कहा कि यदि संबंधित विधायक ने ऐसा बयान दिया है तो उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई जाए। भाजपा ने दोहराया कि वह राष्ट्र की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और देश की सुरक्षा के लिए बलिदान देने वाले जवानों के सम्मान के साथ सदैव खड़ी रहेगी तथा नक्सलवाद के किसी भी प्रकार के समर्थन या महिमामंडन का कड़ा विरोध करती रहेगी।

25 जुलाई को हर ग्राम पंचायत में चलेगा जल संरक्षण महाअभियान

नवागढ़ में सरपंचों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- विकसित भारत 'जी राम जी' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और हर घर सोक पिट निर्माण पर विशेष जोर

विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और जल संरक्षण महाअभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत नवागढ़ में विकासखंड के सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पंचायत प्रतिनिधियों को योजना के सफल संचालन, गुणवत्तापूर्ण कार्यों के निर्माण, जनसहभागिता बढ़ाने और जल संरक्षण गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी संदीप वारे ने विकसित भारत जी राम जी योजना के विभिन्न प्रावधानों, कार्य चयन प्रक्रिया, ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारियों, ऑनलाइन प्रक्रियाओं तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर जनभागीदारी के माध्यम से स्थायी विकास की मजबूत नींव तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान जल संरक्षण महाअभियान की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई। सरपंचों से आह्वान किया गया कि 25 जुलाई को प्रत्येक ग्राम पंचायत में व्यापक जनभागीदारी के साथ जल संरक्षण महाअभियान संचालित किया जाए। इस दौरान वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों के संरक्षण, सोक पिट निर्माण और अन्य जल संरक्षण गतिविधियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक घर में सोक पिट का निर्माण जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे वर्षा जल का बेहतर उपयोग होगा, भू-जल स्तर में सुधार आएगा तथा जलभराव जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपील की।

प्रशिक्षण में शामिल सभी सरपंचों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने-अपने गांवों में विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा 25 जुलाई के जल संरक्षण महाअभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। पंचायत प्रतिनिधियों ने जल संरक्षण को ग्राम विकास और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाया जा सकता है। इसके लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को वर्षा जल संचयन, सोक पिट निर्माण और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जनचेतना बढ़ाने के साथ- साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को गति देना रहा

फुलवारी फाउंडेशन ने शुरू किया निःशुल्क पौधा वितरण अभियान

बेमेतरा। पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम पचभैया स्थित फुलवारी फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी निःशुल्क पौध वितरण अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत ग्रामीणों को विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं फूलों के पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि वितरण में पीपल, बरगद, नीम और शमी जैसे देव वृक्षों के साथ-साथ कटहल, आम, अमरूद, नींबू सहित विभिन्न रंग-बिरंगे फूलों के पौधे भी शामिल हैं। संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित कर पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाना है।

फाउंडेशन द्वारा आसपास के गांवों में भी निःशुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है, ताकि हर घर और हर गांव में हरियाली बढ़े तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित हो सके। संस्था ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाएं और उनके संरक्षण का भी संकल्प लें। संस्था ने बताया कि जिसे भी निःशुल्क पौधे की आवश्यकता हो, वह ग्राम पचभैया स्थित फुलवारी फाउंडेशन से संपर्क कर पौधे प्राप्त कर सकता है। इस अभियान को सफल बनाने में विनय पाठक, नुतेश्वर चंद्राकर, मनोज, डॉ. कुलेश्वर, डुकेश्वर एवं चेतेश्वर सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

सेक्टर 8 के ध्वस्त पुल को युवाओं ने कराया अपडेट

भिलाई। सेक्टर 8 के पुलिया भारी बारिश के चलते बुरी तरह ध्वस्त हो गया था। जहां भाजपा पश्चिम मंडल की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। बीते दिनों हुए बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सेक्टर-8, सड़क नंबर 1 ए में स्थित पुलिया भारी बारिश के बहाव को न झेल पाने के कारण पूरी तरह ध्वस्त हो गया।

राष्ट्रीय मंच पर बेमेतरा के शिक्षकों का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- नवाचारी शिक्षण के दम पर जिले के 12 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026
- डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा शिक्षा और शिक्षक के गौरव को पुनः स्थापित करने का राष्ट्रीय अभियान है यह सम्मान

राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा आयोजित स्व. हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026 समारोह में बेमेतरा जिले ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। देशभर से चयनित 250 शिक्षकों में सर्वाधिक 12 शिक्षक अकेले बेमेतरा जिले से सम्मानित किए गए। इस उपलब्धि ने जिले को प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी गौरवान्वित किया।

रायपुर के शांति नगर स्थित विमतारा भवन में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि हरिभूमि समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि भारत की संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च रहा है। उन्होंने कहा कि जब एक शिक्षक सम्मानित होता है, तो पूरी शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थी और समाज का भविष्य भी गौरवान्वित होता है। उन्होंने इसे केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि शिक्षा और शिक्षक के गौरव को पुनः स्थापित करने का राष्ट्रीय अभियान बताया। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों का भविष्य नहीं गढ़ता, बल्कि राष्ट्र के चरित्र, संस्कृति और सभ्यता का निर्माण भी करता है। शिक्षा में नवाचार और नैतिक मूल्यों का समन्वय ही विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा। समारोह स्वर्गीय हरिवंश मिश्र की पुण्य स्मृति को समर्पित था। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआर स्टील रायगढ़ के संस्थापक एवं शिक्षाविद् संजय अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. चितरंजन कर तथा राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पूर्णानंद मिश्रा उपस्थित रहे। संस्था के अनुसार, इस वर्ष देशभर से लगभग 700 आवेदन प्राप्त हुए थे।

राज्यपाल शिक्षक सम्मान प्राप्त शिक्षकों के उच्चस्तरीय पैनल ने निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन एवं भौतिक सत्यापन के बाद 250 शिक्षकों का चयन किया, जिनमें बेमेतरा जिले से सर्वाधिक 12 शिक्षकों का चयन उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है। सम्मानित शिक्षकों में नवागढ़ विकासखंड से शीतल बैस, राधेश्याम बैस, अनिता दुबे, कुमार वर्मा और प्रेक्षा साहू, साजा विकासखंड से गिरजा पटेल, चंदा सिन्हा, धनेश रजक, अर्जुन वर्मा और गायत्री जोगी, जबकि बेरला विकासखंड से सावित्री साहू और प्रफुल्ल वर्मा शामिल हैं। इनमें शासकीय प्राथमिक शाला मगरघटा की शिक्षिका शीतल बैस को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक नवाचारों के लिए आगामी 5 सितंबर 2026 को राज्यपाल शिक्षक सम्मान से भी सम्मानित किया जाएगा, जिससे जिले की उपलब्धि और अधिक गौरवपूर्ण हो गई है। राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन देशभर के शिक्षकों को अपने नवाचार, अनुभव और श्रेष्ठ शैक्षणिक प्रयोग साझा करने का मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बाल-केंद्रित शिक्षण, डिजिटल नवाचार, नैतिक मूल्यों के संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

आर्थिक तंगी से परेशान होकर जेपी सीमेंट प्लांट के कर्मी ने लगाई फांसी

भिलाई। जेपी सीमेंट प्लांट के सुपरवाइजर ने आर्थिक तंकी के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना राधिका नगर की है। सुपेला पुलिस ने बताया कि पुष्पेंद्र परमार 35 वर्ष मध्य प्रदेश के सतना जिला का निवासी था। वर्तमान में राधिका नगर सुपेला में किराए के मकान में रहता था। जांच में पता चला है कि उसे बीते 27-28 माह से जेपी कंपनी का वेतन नहीं मिला था। परिजनों के मुताबिक कंपनी से वेतन नहीं मिलने पर 3 क्रेडिट कार्ड से 10 लाख रुपए से अधिक का लोन लिया पुष्पेंद्र ने लिया था। वेतन न मिल पाने से वो लोन की किस्त भी नहीं पटा पा रहा था। लोन कंपनियों के लगातार फोन आने से वो काफी परेशान था। पत्नी का आरोप है कि फोन पर उनके साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज तक दी जाती थी। जिससे वे मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगे थे। प्लांट पूरी तरह से दीवालिया होने की खबर है। इसे लेकर प्लांट कर्मियों में जमकर नाराजगी है। जेपी प्लांट लंबे समय से बंद होने के कारण कर्मियों को वेतन नहीं मिल रहा था। यहां के कर्मी प्रतिदिन सुबह-शाम उम्मीद जताए प्लांट जाकर अटेंडेंस लगाते हैं। लेकिन वेतन न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब होती जा रही है।

सप्ताहभर बाद शाम को हल्की बारिश, ट्विनसिटी को मिली राहत

भिलाई। सप्ताहभर बाद ट्विनसिटी में शाम को बादल बरसे। करीब घंटेभर की हल्की बारिश से लोगों को राहत मिली। बारिश तो बंद हो गई लेकिन बिजली घंटों गुल रही। जिसकी वजह से लोगों को उमसभरी गर्मी से जूझना पड़ा। सुबह से ही धूप छांव का खेल चलता रहा। जिसकी वजह से अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा। जो सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पर्व : महिलाओं ने भगवान जगन्नाथ की आरती कर लिया आर्शीर्वाद

भगवान जगन्नाथ की निकली भव्य रथयात्रा दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ थानखम्हरिया

नगर के जगन्नाथ मंदिर एवं राधा-कृष्ण जमात मंदिर से गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। सुसज्जित रथ पर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा विराजमान थे। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान स्वयं अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

रथयात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर दाऊ चौरा, नूरानी चौक, ब्राह्मणपारा, भाटापारा, गोल बाजार, जयस्तंभ चौक, भारत माता चौक, वार्ड क्रमांक 3, बस स्टैंड तथा भैयाजी के घर होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी, पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया तथा जय जगन्नाथ के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। रथयात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। धार्मिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है, इसलिए श्रद्धालुओं में रथ खींचने का विशेष उत्साह देखने को मिला। रथयात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची, जहां महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के बीच निकली यह भव्य रथयात्रा नगरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

मटिया में गाजे-बाजे के साथ निकाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

बेरला। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ग्राम मटिया में गुरुवार को धूमधाम से निकाली गई। भगवान जगन्नाथ की रथ दोपहर 3 बजे गाजे-बाजे के साथ गांव में निकाली गई। गांव में भ्रमण के दौरान दर्शन करने भक्तों की भारी संख्या में भीड़ लगी रही। महिलाओं ने गली में रथ के गुजरने के दौरान भगवान जगन्नाथ की आरती कर आर्शीर्वाद लिया। इस दौरान महिलाओं ने रथ यात्रा स्वागत के लिए घर के बाहर दरवाजे व आंगन में रंगोली सजाई। रथयात्रा बाजार चौक से होते हुए गुरुवार को रात 8 बजे रथ को विश्राम गृह के लिए ग्राम के भक्त के निवास में रखा गया। पंडित बोसेन्द्र पांडेय ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की रथ बनाकर पूरे गांव में भ्रमण कराया गया। प्रसाद लेने भक्तों की भीड़ जुटी रही। भक्त परम्परा गत रुप से रुमाल देकर प्रसाद पाया। वही भक्ति गीतों पर युवाओं के साथ महिलाएं व बच्चे उत्सव मनाते नजर आए। जगन्नाथ, उनकी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के रथ खींच कर भक्त पुण्य के भागीदार बने। रथ यात्रा में प्रमुख नारद यादव सहित उनकी समिति का सहयोग रहा। हरे कृष्णा, हरे रामा जय जय श्री राम के जयकारे से गली गूंजता रहा।

देवकर में श्रद्धा और सौहार्द के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

देवकर। नगर के प्राचीन राम मंदिर परिसर से गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की पारंपरिक रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में निकाली गई। सुबह से मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, विशेष पूजा-अर्चना और तीनों विग्रहों का रेशमी वस्त्रों एवं आकर्षक फूलों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद भगवान नगरवासियों का कुशलक्षेम जानने और आशीर्वाद देने भव्य रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले। रथयात्रा गांधी चौक से प्रारंभ होकर कंडरा पारा, सुभाष चौक, शीतला मंदिर मार्ग, बस स्टैंड, मुख्य बस्ती रोड, महावीर चौक, महामाया मंदिर चौक और बनियापारा होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा-अर्चना कर

पुष्पवर्षा की और प्रसाद अर्पित किया। रथ की रस्सी खींचने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने समान भाव से रथ खींचकर भगवान जगन्नाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। धार्मिक मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने से अहंकार का नाश होता है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। विशेष रूप से सरई की लकड़ी से निर्मित पारंपरिक रथ को धार्मिक प्रतीकों और आकर्षक रंगों से सजाया गया था। रथ पर विराजित भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। **सौहार्द की मिसाल बना आयोजनः** रथयात्रा के दौरान मस्जिद के समीप मुस्लिम समाज की महिलाओं ने भगवान जगन्नाथ को नारियल अर्पित कर आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। मुस्लिम समाज की सहभागिता ने आयोजन को और अधिक विशेष बना दिया तथा सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की। **नए स्वरूप में आकर्षण का केंद्र बना राम मंदिरः** रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र प्राचीन राम मंदिर भी रहा। मंदिर समिति द्वारा हाल ही में मंदिर का रंग-रोगन, मार्बल एवं ग्रेनाइट से सौंदर्यीकरण कराया गया है, जिससे मंदिर का स्वरूप अत्यंत भव्य और आकर्षक हो गया है। आसपास के गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मंदिर की सुंदरता को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में भगवान जगन्नाथ प्रतिवर्ष अपने भक्तों को दर्शन और आशीर्वाद देने रथयात्रा पर निकलते हैं। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए देवकर में भी यह आयोजन श्रद्धा, आस्था और सामाजिक समरसता के साथ संपन्न हुआ।

नांदघाट में श्रद्धा के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

नांदघाट। नांदघाट में बड़ी धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। क्षेत्र भर के श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ महाप्रभु भगवान की यात्रा में पूर्ण श्रद्धा से सहभागिता निभाई और नवनिर्मित मंदिर से माता महामाया बाजार चौक आबादी पारा बस स्टैंड ऊपर चौक बजरंग चौक मेन रोड से गुजरते हुए शीतला पारा में माता शीतला मंदिर पहुंची। जहां भगवान का अस्थाई आवास रहेगा और परंपरा अनुसार भगवान जगन्नाथ की वहां पर नियमानुसार भोग अर्पित किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ की पवित्र यात्रा नांदघाट में 13 वर्ष पूर्व तत्कालीन थाना प्रभारी स्व. जगदीश राम सहारे के सद प्रयासों से प्रारंभ हुई थी। क्षेत्र भर के धर्मानुरागी भक्तों के विशेष सहयोग से जिसमें तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य अंजय बघेल जनपद सदस्य रूबी विवेक शुक्ला तत्कालीन सरपंच नादघाट चमेली घृतलहरे पूर्व सरपंच स्व विजय शंकर ठाकुर पूर्व जनपद सदस्य मनीष जयसवाल पंडित स्व. चंद्रशेखर तिवारी समेत नगर वासियों की प्रमुख भूमिका थी। तब से लेकर आज तक बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ यह महापर्व नांदघाट में धूमधाम से आयोजित होता है। इस वर्ष जगन्नाथ समिति ने भव्य मंदिर का भी निर्माण कराया है जिसमें क्षेत्र भर के श्रद्धालुओं ने जन सहयोग भी किया है। इस वर्ष जिला पंचायत सभापति अंजय बघेल मनीष जायसवाल विवेक शुक्ला राजू पात्रे राजेश अग्रवाल शैलेंद्र अग्रवाल लाला कटारे व्यास वर्मा राजू चक्रधारी श्याम वैष्णव राजेंद्र साहू मोहित निषाद पंडित गुडन तिवारी आयुष जायसवाल समेत अन्य भक्तों की विशेष भूमिका रही। खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया।